Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to develop historical Charkhari Fort in Bundelkhand region of Uttar Pradesh -laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखण्ड का इतिहास आत्मा गौरव, त्याग और संघर्षों का इतिहास है । इसके गवाह इस क्षेत्र में विभिन स्थानों पर बने ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण किलें है । इन किलों का प्रयोग इस क्षेत्र में पर्यटन विकास के रूप में किया जा सकता है । चरखारी पर्यटन की दृष्टि से बेहद रमणीक स्थल है । वर्षा ऋतु एंव इसके उपरांत यहाँ प्राकृतिक सौन्दर्य देखने लायक होता है और यह बुंदेलखंड के कश्मीर के नाम से जाना जाता है । यदि चरखारी किले को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए तो बहुत कम लागत में पर्यटन के माध्यम से आर्थिक रूप से पिछड़े बुंदेलखंड में रोजगार के नवीन अवसर पैदा होंगे । जहां भारत सहित पूरी दुनिया में ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित एवम पर्यटन से संबद्ध करने के प्रयास किए जा रहे हैं वही चरखारी के किले का प्रयोग सरकारी कार्यालय भवन के रूप में किया जा रहा है । पूर्व में भी ब्रिटिश काल में छावनी बने किलों को ऐतिहासिक धरोहरों का दर्जा दे कर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास हुये हैं ।

मैं इस आलोक में भारत सरकार से यह मांग करता हूँ कि चरखारी किले का पूरा हिस्सा पर्यटन के लिए खोलना संभव न हो तो किले के कुछ हिस्से को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए जाने के प्रयास भारत सरकार द्वारा किए जाने चाहिए ।